जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल की अध्यक्षता में दिनांक 27.09.2022 को जिला कार्यालय सभागार, पौड़ी में आहूत जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति की तृतीय छः माही बैठक का कार्यवृत्त ।

शासनादेश संख्या 50/2018–52(5) 2017 दिनांक 18.02.2019 के अनुपालन में दिनांक 27.09.2022 को जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति की तृतीय छः माही बैठक का आयोजन जिला कार्यालय सभागार, पौड़ी में किया गया। जिसमें समिति के सदस्यों एवं परियोजना के कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनकी उपस्थिति निम्नानुसार है–

क्र0सं0	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	श्रीमती ईला गिरी	अपर जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल
2	डॉ0 सिद्धार्थ शंकर श्रीवास्तव	उप परियोजना निदेशक, जलागम, पौड़ी/सदस्य सचिव
3	श्री कौस्तुभ चक्रवर्ती	एफ0ए0ओ0, एन0पी0एम0यू0 दिल्ली/सदस्य
4	श्री अमरेन्द्र चौधरी	मुख्य कृषि अधिकारी, पौड़ी/सदस्य
5	डॉ0 डी0एस0 बिष्ट	मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पौड़ी/सदस्य
6	श्री भूपेन्द्र सिंह	जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड पौड़ी/सदस्य
7	डॉ0 डी0 के0 तिवारी	जिला उद्यान अधिकारी, पौड़ी/सदस्य
8	श्री प्रभाकर सिंह	उद्यान विशेषज्ञ, कोटद्वार/सदस्य
9	श्री धीरज कुमार सैनी	सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई पौड़ी/सदस्य
10	श्री वल्लभ भट्ट	सहायक खण्ड विकास अधिकारी, वि0ख0 दुगड्डा/सदस्य
11	डॉ0 जे0सी0 पान्डे	स्टेट कोर्डिनेटर, एस0पी0एम0यू0, देहरादून/सदस्य
12	डॉ0 विकास वत्स	बायोडाइवर्सिटी एक्सपर्ट, एस0पी0एम0यू0, देहरादून/सदस्य
13	श्री के0एस0 रावत	जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, पौड़ी/सदस्य
14	श्री अनिल कुमार	अग्रणी बैंक प्रबन्धन, पौड़ी/सदस्य
15	श्रीमती कान्ती देवी	ग्राम प्रधान, जमरगड्डी/सदस्य
16	श्री सत्यप्रकाश	उद्यान अधिकारी, जलागम, पौड़ी
17	श्री प्रमोद कुमार काला	क्षेत्र प्रसार अधिकारी, जलागम पौड़ी
18	श्री संजय कुंवर भण्डारी	क्षेत्र प्रसार अधिकारी, जलागम पौड़ी
19	श्री अनिल कुमार बौंठियाल	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जलागम पौड़ी
20	श्री सोहन लाल कण्डवाल	यूनिट अधिकारी, जैफ–6 कोटद्वार
21	सुश्री गीता रावत	जेंडर एक्सपर्ट, कोटद्वार
22	श्री विकास वर्मा	कम्यूनिटी इंस्टिट्यूशनल एक्सपर्ट, कोटद्वार

सर्वप्रथम उप परियोजना निदेशक/सदस्य सचिव, जैफ–6, पौड़ी द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् अध्यक्ष महोदय के निर्देशानुसार श्री कौस्तुभ चक्रवर्ती द्वारा जैफ–6, ग्रीन एजी0, परियोजना का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमें परियोजना के उद्देश्यों, संस्थागत ढांचा एवं अंतिम परिणामों से सदस्यों को परिचित कराया गया। उनके द्वारा परियोजना की मूल भावना के अनुरुप विभिन्न रेखीय विभागों को एक मंच पर लाते हुए ग्रीन एग्रीकल्चर परियोजना के चार महत्वपूर्ण स्तम्भों जैव–विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन अनुकूल कृषि, सतत् भूमि प्रबन्धन एवं सतत् वन प्रबन्धन के वैश्विक पर्यावरणीय लाभों को प्राप्त करने हेतु कार्य करने पर बल दिया गया। इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि विभिन्न रेखीय विभागों के साथ कार्यशाला आयोजित की जाए ताकि परियोजना के उद्देश्यों के अनुसार क्रियान्वित की जा सकने वाली गतिविधियों का चिन्हीकरण एवं योजनाओं के निरूपण की स्पष्ट रूप रेखा तैयार हो सके।

उप परियोजना निदेशक, जैफ–6 द्वारा परियोजना की प्रगति से समिति को अवगत कराया गया कि एन0पी0एम0यू0 के निर्देशानुसार चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण उपरान्त ऑनलाइन हाउस होल्ड सर्वे की प्रक्रिया गतिमान है। "कम्यूनिटी कन्सलटेशन" हेतु एक प्रशिक्षण एन0पी0एम0यू0 द्वारा दिया गया है तथा इसी विषय पर पुनः फीडबैक प्रशिक्षण आगे भी दिया जाना है। तद्पोरान्त् कम्यूनिटी रिसोर्स पर्सन (सी0आर0पी0) द्वारा क्लस्टर पर "कम्यूनिटी कन्सलटेशन" की बैठकें आयोजित की जाएंगी। नेशनल प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि "कम्यूनिटी कन्सलटेशन" ग्रीन लैंडस्केप मैनेजमेंट प्लान (जी0एल0एम0पी0) का पहला चरण है।

उप परियोजना निदेशक, जैफ–6 द्वारा अतिवरीयता प्राप्त 36 ग्राम पंचायतों में परियोजना के उद्देश्यों से सम्बन्धित ग्रामीणों की समस्याओं तथा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित समाधानों का प्रस्तुतिकरण किया गया। ग्रामीणों की मुख्य समस्याओं में जंगली जानवरों से कृषि को क्षति, व कृषि, उद्यान, पशुपालन एवं आजीविका सम्बन्धी प्रशिक्षणों के अभाव तथा कृषि उत्पादों को उचित मूल्य ना मिल पाना इत्यादि हैं। इस विषय पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि परियोजना द्वारा मुख्य कृषि उत्पादों, उनके मूल्य सम्वर्द्धन तथा मूल्य श्रृंखला से सम्बन्धित विषय पर अध्ययन करवाया जाना चाहिए तथा वी0आई0सी0 के बैठकों में रेखीय विभागों के प्रतिनिधियों को उपस्थिति रहने हेतु निर्देशित किया गया।

उप परियोजना निदेशक, जैफ–6 द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 की वार्षिक कार्ययोजना से समिति को अवगत कराया गया तथा यह भी प्रकाश में लाया गया कि एन0पी0एम0यू0 द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में ही जी0एल0एम0पी0 तैयार की जानी है, तद्पोरान्त ही फील्ड सम्बन्धी गतिविधियों में व्यय सम्भव हो सकेगा। इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि निर्धारित प्रक्रिया अनुसार नीड एसेसमेंट करते हुए जी0एल0एम0पी0 तैयार कर गतिविधियों को चिन्हित करें एवं इनको रेखीय विभागों से समन्वय स्थापित कर परियोजना क्षेत्र में क्रियान्वयन प्रारम्भ करें।

उप परियोजना निदेशक, जैफ–6 द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि परियोजना में ग्रामीणों की रूचि बनाए रखने के लिए कतिपय प्रारम्भिक गतिविधियां प्रारम्भ किये जाने हेतु एन0पी0एम0यू0 व एस0पी0एम0यू0 से निर्देश प्राप्त हुए हैं, अतः ऐसे प्रस्ताव जो कृषि एवं सहायक गतिविधियों के अनुकूल हों, सामूहिक प्रकृति के हों, केन्द्राभिसरण की सम्भावना हो तथा ग्रीन एग्रीकल्चर परियोजन के उद्देश्यों की परिधि में हों, उपलब्ध कराये जा सकते है। जिला उद्यान अधिकारी, पौड़ी द्वारा बताया गया कि उद्यान विभाग सब्सीडी दरों पर प्याज की पौध ग्रामीणों को उपलब्ध कराता है, यदि परियोजना रवी के मौसम में प्याज उत्पादन की गतिविधि को प्रोत्साहित करता है, तो उद्यान विभाग की नर्सरी द्वारा आपूर्ति की जा सकती है। उद्यान विशेषज्ञ, कोटद्वार द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में यमकेश्वर क्षेत्र में गेंदे इत्यादि फूलों की खेती होती थी, जिसकी आपूर्ति ऋषिकेश में की जाती थी। ऋषिकेश बजार में फूलों की मांग अभी भी है, अतः फूलों की खेती को परियोजना द्वारा बढ़ावा दिया जाना उचित होगा। इस बिन्दु पर अध्यक्ष महोदय द्वारा रेखीय विभागों को निर्देश दिया गया कि वे भी ऐसे प्रस्ताव, जो कि परियोजना के उद्देश्यों के अनुकूल हों तथा उनमें गैप फिलिंग की आवश्यकता पड़ रही हो, परियोजना को उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/
अध्यक्ष, जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति

कार्यालय–उप परियोजना निदेशक,
जैफ–6, कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल

ई–मेल– gef6pauri@gmail.com

वैबसाइट–www.wmduk.gov.in

पत्रांक 62 / 7–2 (बैठक)/कार्यवृत्त

दिनांक 07.10.2022

प्रतिलिपि :–

1. मुख्य विकास अधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/उपाध्यक्ष, जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति को अवलोकनाथ प्रेषित।
2. परियोजना निदेशक, जैफ–6, जलागम प्रबन्ध निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।
3. परियोजना निदेशक, जलागम प्रबन्धन, गढ़वाल क्षेत्र, मुनिकीरेती को सूचनार्थ प्रेषित।
4. जिला स्तरीय तकनीकी एवं मार्गदर्शन समिति के समस्त सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डॉ0 सिद्धार्थ शंकर श्रीवास्तव)
उप परियोजना निदेशक
जैफ–6, पौडी, गढवाल